



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 7-8

FARM SKILLS EMPOWERMENT PROGRAMME

Hisar: Haryana students will now be able to attend online education classes of Western Sydney University, Australia. An online Agricultural Skills Empowerment Programme was started today under the National Agricultural Higher Educational Project, which was inaugurated by Deputy Vice-Chancellor and vice president (research, enterprise and international) of Western Sydney University, Prof Deborah Sweeney. Vice-Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Prof Samar Singh was specially invited to this event. He said it was not viable to attend physical classes in Australia amid Covid pandemic so the Western Sydney University had launched online agricultural skills empowerment programme. Under this programme, the students will be able to get education through online mode on the pattern of foreign countries. Once the Covid-19 pandemic subsides, the students will be able to attend classes physically at Western Sydney University.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-४

सौर ऊर्जा से जगमग होगा सीसीएचएयू

एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगेगा

हिसार, 27 अक्टूबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) सौर ऊर्जा से बिजली आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड के बीच पावर पर्चेज एग्रीमेंट हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विवि को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को 3.33 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली मिलेगी। सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय हर साल 13.70 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। संपर्क अधिकारी एवं मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा। इससे उहें सस्ती बिजली मिलेगी। इससे जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट महंगा है। आगले 6 महीने में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना हो जाएगी। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विवि के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अपी तक दिक्षिण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर.....

दिनांक २४.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ३-६

परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम इसलिए अपनाएं फसल चक्रः प्रो. समर सिंह एचएयू में वर्कशॉप आयोजित, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

भास्कर न्यूज़ | हिसार

कृषि संबंधी किसी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी के साथ पर्यावरण का संरक्षण मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्रकर में प्रतिदिन रसायनों के अंथाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है।

इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे एचएयू में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। विवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने वर्कशॉप की जानकारी



एच ए यू की वर्कशॉप में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी।

कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए विचार रखे।

देते हुए निदेशालय की तरफ से किसानों से फसल विविधिकरण आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और भिट्ठी में सुक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने

को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके।

परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है।

इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त

मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया मौजूद थे।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

उम्र उजाला

दिनांक 28.10.2020. पृष्ठ संख्या..... 4 कॉलम..... 3-5

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्लूरे

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतारी के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायन के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कृषि अधिकारियों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि



कार्यशाला में मौजूद कुलपति समर सिंह व अन्य।

वैज्ञानिक किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। परंपरागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं।

विश्वविद्यालय की सिफारिशें बहुत ही कारगर, किसान अपनाएँ : अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परंपरागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप

तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। विश्वविद्यालय द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसान इन्हें अवश्य अपनाएं। अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूद सभय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस्के सहरावत ने विश्वविद्यालय में मौजूदा सभय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारण करके बताया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन विवि द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करनाने को लेकर किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब के सारी
दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ८-७

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

फसलों में नई समग्र सिफारिशों
के लिए हुआ मंथन

हिसार, 27 अक्टूबर (ब्यूरो) :
कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का
फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी के
साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी
मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन
बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों
के अंधाधुंध प्रयोग व भूजल दोहन
से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं
और भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट
रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को
प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का
विशेष ध्यान रखना होगा।

यह आहान चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. समर सिंह ने वैज्ञानिकों
से किया। वे विश्वविद्यालय में



वर्कशॉप में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारी।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित
विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार
विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के
कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को
संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में
हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान
कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य
सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक

विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा
निदेशक डॉ. आर. एस. हुड्डा ने विस्तृत
जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा
आयोजित की जाने वाली विभिन्न
गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।
उन्होंने बताया कि वर्कशॉप का
आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा

विभिन्न फसलों के लिए की गई
सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ
नई सिफारिशों को लागू करवाने को
लेकर किया गया है। कुलपति ने कहा
कि वैज्ञानिकों का दायित्व है कि वे
किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति
बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म
तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए

जागरूक करें। उन्होंने किसानों से
फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने
की अपील की ताकि उनकी आमदनी
में इजाफा हो सके।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के.
सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा
विकसित की गई विभिन्न फसलों
की नई सिफारिशों की जानकारी देते
हुए मौजूदा समय में चल रहे
अनुसंधान कार्यों के बारे में
विस्तारपूर्वक बताया। वहीं इस
वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि
एवं किसान कल्याण विभाग के
सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक,
सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के
समन्वयक व विश्वविद्यालय के
विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता,
निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने
फसलों की समग्र सिफारिशों के
लिए अपने विचार रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या ३, ६ कॉलम ५, ५

विज्ञान और कृषि अधिकारी सिफारिशों पर कर रहे मंथन

जागरण संगठनता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विज्ञानियों, कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप आयोजित हुई। फसलों की नई सिफारिशों पर मंथन हुआ। किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद रहे।

एसीएस देवेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में विज्ञानियों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वह किसानों को परंपरागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों की जानकारी दें। विज्ञानियों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इहें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान विज्ञानियों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जलरी : प्रो. समर

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

२०२५ अगस्त १९६८

दिनांक २८-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों का लेण्ठ हुआ नवन

एचआर शेकिंग न्यूज

हिमारा कृपि संबोधी किसी भी भ्रिसर्व का फसलों के उत्तमान में बड़ोंटी के साथ-साथ पर्याप्तता का संरक्षण भी खुलूँ लक्ष्य होना चाहिए। उत्तमान के चक्रवर्ती अन्धकृष्ण रसानों के अंगूष्ठप्रयोग व उन दांतों से प्रकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। राष्ट्र ही भूमि जो उत्तरा शक्ति भी घट रही है। इन दौरान वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यह आत्मन की धैर्यी वरच शिल्प दर्शायेगा। यह विवरणिकारक के दुकृपाता प्राकृतिक सम्पद विनियोगिनिकों से किया गया।

वे विश्वविद्यालय में अन्तर्राजन पारम्पर्य से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, वित्तीय विशेषज्ञों एवं विद्युत विज्ञान के कुर्सी अधिकारियों द्वारा वर्षांत को समन्वयित कर रहे थे। कालांतरमें हार्डवेयर मकारक के कारण एक किसिम कल्पना विभाग द्वारा अप्रतिरोधित मुख्य समस्या देख रखी थी कि कृष्ण महाराजाचार्य विषय सिल लिखाया भी मौजूद नहीं। विश्वविद्यालय के विद्यालय विधायक डॉ. आर.एस. दुर्गा देव वर्षांशोपाधी ने विश्वविद्यालय जानकारी देने हुए निदेशकों द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न नागरिकियों के बारे में अवतार कराया। उन्नें बताया कि इस वर्षांशोपाधी आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के सिल की गई सिलसिलाएँ पर मध्यम करते हुए कुछ न सिपाहियों को नाम दिया गया है। उन्नें बताया गया है-

कलापति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि

Agricultural Officers' Workshop (Hindi)

October 27, 2020

Organised by :

**Directorate of Extension Education
CCS Haryana Agricultural University, Hisar**



कृप्या अधिकारियों व वैद्यनानिकों ने दिए सुझावः वित्तान विधा निरेशालम के सह निदेशक (किसान परमाणु केंद्र) डॉ. गुरुलाल हांडा ने भवत्या कि इस बक्सराम के दीपांग प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विधाया के सभी वित्तों के कृषि उपचारेशक, सभी कृषि विभागों के मन्त्रवाचक व विवरणितात्मक के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों, निदेशक एवं विधायालयों ने फसलों की समय सिद्धार्थीयों के लिए अपने विवार रखे। कार्यालयों के कलमधिवच डॉ. आर. कौर, वित्तान विधा निरेशक डॉ. आरएस. हुड्डा, अनुसाधन निदेशक डॉ. एस. के. महाराज व विवरणितात्मक के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों, निदेशक व विधायालय एवं सभी वित्तों के कृषि उपचारेशक,

राजविद्यालय की सिफारियों बहुत ही
लम्बे विवर अपनाएं।

द्वितीय संस्कार के कुर्सी पर बैठने कल्पना विषय के अधिकारी मुख्य सचिव द्वारा नियम विधान सभा के द्वारा विभिन्न विधायक सभाओं के कुर्सी, विधायिकों व विधायिका संस्कार के कुर्सी अधिकारियों से संपर्क रखते हुए इस काम की विधिविज्ञानी की अपेक्षा अधिक विशेषज्ञता के साथ उन्हें इस काम संस्कार प्रयोगशाला में देखा गया। इस में विधायिकों व विधायिकाओं को भी जो विशेषज्ञता है वह ये विधायिकों को प्रयोगशाला में कोई विवादी की व्यवस्था आधारित विधियों के तोड़ने विधायिक व विधायिका दलों की ओर जानकारी देने वाले उन उदाहरणों का बना। उनमें काम का विधिविज्ञान के कुर्सी पर बैठने वाले व विधायिक विधायिका में कट्टरपक्षीयों व उत्तर पक्षीयों को बैठने वाले विधिविज्ञान के उदाहरणीय कामों का बना। इसका विधायिकों को इन उदाहरणों अनुसार पढ़ाया। कुछ विधायिकों व विधायिका विधिविज्ञान को समझने के लिए विधायिक विधायिका को प्रयोग करते ही वह काम के लिए विधिविज्ञान को छोड़ देते हैं और उन्हें अनुसार विधायिक विधायिका पढ़ाते हैं। उनमें विधायिक विधायिका के लिए विधायिक विधायिका को जो विधिविज्ञान कल्पना को विधायिकों व विधायिका को भी जानकारी दें। ऐसी विधिविज्ञान के अधिकारी विधायिक विधायिका विधिविज्ञान के मौजूदा समय में विधायिकों को सम्पर्कितों को संपर्क विधिविज्ञान किया। अनुसार विधिविज्ञान के कुर्सी पर बैठने विधिविज्ञान विधायिक विधायिका द्वारा विधायिकों को वह विधिविज्ञान कामों की जो विधिविज्ञान की अपेक्षा देते हुए मौजूदा समय में वह कोई विधिविज्ञान कामों के साथ में विधिविज्ञान कामों का बना।

दैज़ानिकों की अधक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किसी व उनके द्वारा की विविधता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे : कुलपति

CCS Haryana Agricultural University, Hisar



हिसार/27 अक्टूबर/रिपोर्टर

कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ाती के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्रकर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्बरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आवान चौंधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्बरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूखे तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की किस्में व उनके द्वारा की गई सिफारिशों का ही नतीजा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दंवेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता

है कि वे किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृतीकरण में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही कारबर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। कई बार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकारक होता है और उन्हें आर्थिक नुकसान डेलना पड़ता है। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश गहलावत ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों को नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दैर्घ्यन प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. वीआर कंदोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी, फील्ड अधिकारी आंनलाइन व आफलाइन रूप से शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

• پاک فوج

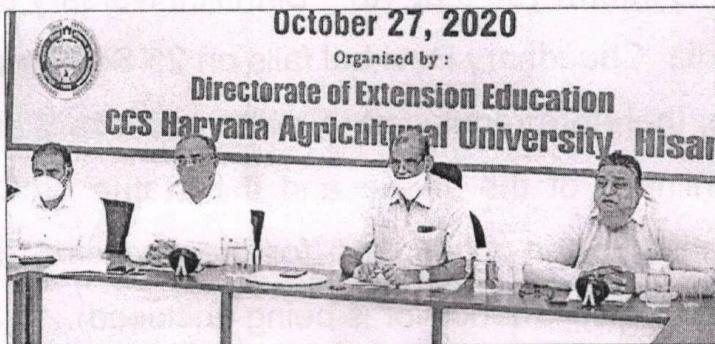
दिनांक २८.१०.२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

एवं एयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेशा के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन पांच बजे ब्लूज़

हिसार। कृषि संवर्धनी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ावते के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्रक्र में प्रतिदिन स्तरायनों के अंधारपूर्ण प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उवरा शक्ति भी बट रही है। इसलिंग वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आवामन चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समप्त सिंह ने वैज्ञानिकों से संगीत विश्वविद्यालय में औन्हालिन माध्यम से आयोजित हरियाणा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉपों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्दिक्ष मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उठानें बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए किया गई सिमानारिशों पर मर्थन करते हुए कुछ नई सिमानारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उड़वा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूखे तत्वों की कमी का पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि



उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएँ। फ्रैंकसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में अब फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से कवासित नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा की सफलताओं वहुत ही नीतीजा है।

विश्वविद्यालय को स्फीकारियों बहुत ही कामार, किसान अपनाएँ : एसीएस

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से रूबरू होते हुए कहा कि किसानों की आमदानी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परात खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर पर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्हें कहा गया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रखी व खड़ी फसलों के बारे में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए कई गई। स्पष्टरिशें बहुत ही कागर हैं। इसलिए किसानों को इन अवश्य अपनाना चाहिए। कर्मचारी वार किसान वैज्ञानिकों की सलाह के बिना फसलों में अंधाधूंध कीटनाशकों का प्रयोग करते हैं जो फसल के लिए हानिकारक होता है और उन्हें

October 27, 2020

Organised by :

**Directorate of Extension Education
CCS Haryana Agricultural University, Hisar**

३५



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

संभर-त दृपदी

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं
प्रदेश के कृषि
अधिकारियों की
वर्कशॉप, फसलों में नई
समग्र सिफारिशों के
लिए दुआ मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। कृषि संबंधी किसी भी सिसर्व का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतारी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ने के चक्र में प्रतिदिन ग्रामपालों के अंशाधूषित प्रयोग व जल दोषन में प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आइन औभरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों



से किया। वे विश्वविद्यालय में अनेकांन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थीयों एवं वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों के बढ़ोतारी को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों द्वारा रखी व खोरीक फसलों में कोटनाराकों व उनके प्रयोगों के लिए को गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कृषि नई सिफारिशों को लागू करने को सेवक किया गया है। कृषिपति प्रोफेसर दस्म रिंग ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और पिछ्ने में मूल्य तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदानी में डायाक हो सके। पर्यावरण विस्तृत जानकारी देते हुए, निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप

विवि की सिफारिशों बहुत ही कारगर : एसीएस

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य मंत्रिव देवेंद्र सिंह ने वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के कूलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों से बृहत् होते हुए कहा कि किसानों की आमदानी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों का भी फैज बनता है कि वे किसानों को पर्यावरण खेतों को बचाव आधुनिक खेतों के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रखी व खोरीक फसलों में कोटनाराकों व उनके प्रयोगों के लिए को गई सिफारिशें बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवधारणा नहीं होनी चाहिए। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. मुरेश गहलतव ने मौजूदा समय में फसलों की समस्याओं को लेकर विद्यार्थी-विद्यार्थियों की अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. महाराज ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किसियों की जानकारी दी।

कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव विद्यालय शिक्षा निदेशालय के मह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुमित्र दांडा ने बताया कि इस वर्कशॉप के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने फसलों को समग्र सिफारियों के लिए अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कूलपति विज्ञान निदेशक डॉ. वी.आर. केंद्रीज, विद्यार्थी शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. महाराज आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नि० १५ न० ११ न० २०२०

दिनांक .२७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

हिस्त : कृषि संबंधी किसी भी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा मरकार के कृषि अधिकारियों की बक्साप को संबोधित कर रहे थे। जाहिए। उत्तराइन बढ़ाने के चक्रम में प्रातिदिन रसायनों के अधारधृष्ट प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। याय ही भूमि की डबरा शब्द भी बद रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आव्यान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में अनलाइन माध्यम से आयोजित

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा मरकार के कृषि अधिकारियों को बक्साप को संबोधित कर रहे थे। जाहिए। उत्तराइन बढ़ाने के चक्रम में प्रातिदिन रसायनों के अधारधृष्ट प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। याय ही भूमि की डबरा शब्द भी बद रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आव्यान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में अनलाइन माध्यम से आयोजित

Agricultural Officers' Workshop (Rabi)
October 27, 2020
Organized by
Directorate of Extension Education
GGS Haryana Agricultural University, Hisar



सिफारिशों पर मंथन करते हुए उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की कृच नई सिफारिशों को लायू कारबाने को लेकर किया गया है। अपेक्षा की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत कृषि प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि वैज्ञानिकों का विविध व्यंजनों में लात अधिक व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उबरा शब्द बनाए रखने और आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चब को अपनाएं। मिट्टी में मूँझ तर्जों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक रहें। देश की आजादी के समय की

तुलना में आज फसलों का का भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत ढंगों की व्याय आधुनिक खेती के तौर पर बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अधिक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की विकासों व उनके द्वारा जानकारी देते हुए उन्हें आगरुक करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रखी ये खुरी फसलों में कौटनाशों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही अधिक मूल्य विविध देवेंट सिंह ने बक्साप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा मरकार के अधिकारियों से लूबर होते किसानों को परम्परागत विविधिकरण के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा मरकार के अधिकारियों से लूबर होते हैं। इसलिए वैज्ञानिकों की सलाह की जानकारी देते हैं जो आपदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयोग सरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों

की भी फर्ज बनता है कि वे किसानों को परम्परागत ढंगों की व्याय आधुनिक खेती के तौर पर बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अधिक मेहनत से विकसित नई-नई फसलों की विकासों व उनके द्वारा जानकारी देते हुए उन्हें आगरुक करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रखी ये खुरी फसलों में कौटनाशों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशें बहुत ही अधिक मूल्य विविध देवेंट सिंह ने बक्साप के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, वैज्ञानिकों व हरियाणा मरकार के अधिकारियों से लूबर होते हैं। इसलिए वैज्ञानिकों की सलाह की जानकारी देते हैं जो आपदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयोग सरत है। ऐसे में वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों

की भी फर्ज बनता है कि वे



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
लोकसार.....

दिनांक २५. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार : कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधूंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की

उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों से किया। वे विश्वविद्यालय में

वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि महानिदेशक

विजय सिंह दहिया भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.

~~२०२१ अक्टूबर~~

दिनांक २८-१०-२३२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मथन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिमाचल कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का काफ़सरों के उत्तरांश में बढ़ोतारी के साथ-साथ एकान्वरण का संरक्षण भी मुख्य लक्षण होना चाहिए। उत्तरांश जगत् के चक्रवर्त में प्रतिविनियोग रसायन के अंतर्गत प्रयोग और दौड़न से प्रकृतिक शर्करान नष्ट हो रहे हैं इस समय ही भूमि को उत्तरांशित भी यथा रहता है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विवेद ध्यान रखना चाहिए। यह आखिर चौथी वर्षण दरियावाही की विवरणों के कुलपर्सर सम्पर्कित ने वैज्ञानिकों से किया

वे विश्वविद्यालय में अवैलन्डन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विस्तर विशेषज्ञ एवं दैर्घ्यामा स्मकार के कृपि अधिकारीयों ने यह विषय पर्याप्त संवेदनशीलता कर दी है। काम्बोडिया में दैर्घ्यामा स्मकार के कृपि एवं किम्बन कल्याण विभाग के अधिवित मुख्य सचिव देवेंद्र दिति व व कृपि माध्यमान्वितिक विषय स्थित दिहायी भी मौजूद हैं। विश्वविद्यालय के विस्तर विज्ञान विद्यालय डा. आर.एस. हुड्डा ने वैज्ञानिकों की विद्यस्तु जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न विज्ञानिकों के बारे में इस्युत कराया उल्लेख वर्ताया है कि इस्युत विज्ञान का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए कोई गृह सिद्धांतों पर विभाग करते हुए कुछ विस्तरितों को लाया जाना चाहिए विषय विद्या है।

कल्पत्रि पांडुसरा समर सिंह ने कहा था।

कृषि अधिकारियों व वैद्यनिकों ने एसुआव: विस्तार सिल्हा निदेशकल के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. रमेश लाल ढाका ने बताया कि इस बचावपूर्ण के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी विभागों के कृषि उन्नयन बोर्ड, रमेश कृषि विभाग केंद्र के समन्वयक व विविध विभागों के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों नियोजित एवं विवाहाग्राहकों ने फसलों की समय सिस्टमों की लिए अपेक्षा विचार रखे। कार्यक्रम में कूलनीवास डॉ. आर. कौरेंग, विस्तार सिल्हा डॉ. आर.एस. डाकुडा, अनुसन्धान निदेशक डॉ. प्रमोद साहवाल व विविध विभागों के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों नियोजित एवं विवाहाग्राहक और सभी विभिन्न के कृषि उन्नयन बोर्ड,

वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि किसानों को भूमि की उर्वरा शब्दित बनारखुने और पिट्ठी में सूक्ष्म तत्वों की कांडों का परा करने के लिए जागरूक करें। उद्धोग

किमानों में फसल विभिन्नरक्त देव बद्धावा देने की अपील से ताकि उनकी आमदानी में इडाया हो सके। परमाणुकरण से लगात अधिक व आमदानी कम होती है। इसलिए किसान फसल बच्र को आपनाएँ। प्रोसेसर समझ रखे ने कहा कि टेंस जो आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब

विश्वविद्यालय की सिफारिशें बहुत ही
कारगर, किसान अपनाएं एसीएस

हरियाणा संस्कार के कृषि एवं किसान कल्याण विधान के अतिरिक्त मुख्य विषय होटेंटोड विहारी व बकरीशाह के द्वारा निर्विवादित के कृषिकाल, वैदिकनिकों के हरियाणा संस्कार के कृषि अभियानों से सम्बन्ध होते हुए कहा कि विदिकनिकों का आपातकाल से इस प्रकाश मंसकार प्रवासित हो। ऐसे में वैदिकनिकों ये कृषि अधिकारियों को भी कृषि बनाता है कि ये विदिकनिकों का प्रथमांग विद्यायी या बालवाचार आपातकी द्वितीयों के तौर परिवर्तन व वर्णनात्मक तत्कालीनों को जारी रखते हुए उन्हें जागरूक करने और उनको कहा कि विदिकनिक विद्यालय के वैदिकनिकों प्राप्ति व खाली वर्णनात्मक में कठोरवासियों व उपर्योगी के द्वारा की गई विदिकनिकी सहज ही कारण है। इन्हीने विदिकनिकों को दूसरी अपराध विद्यालयों परिवर्ती करने और विदिकन वैदिकनिकों को संसाधन के विनायकानन्दनों में अधिकारी वैदिकनिकों का प्रयोग कराते ही कृषि काल के द्वारा निर्विवादित करता है और उन्हें अपराध विद्यालय बनाता है। उन्होंने प्रस्तुता संकार करा दिया विदिकनों के द्वारा विदिकन के लिए विद्यालय का यह उद्देश्य कल्याणकारी वैदिकनिकों को भी जानकारी दें। मैंने विदिकन के अतिरिक्त विदेशों का दृष्टा द्वारा विद्यालयों ने मौजूदा समय में परस्ती को सम्बन्धितों का संहेद्री बनाया-विद्यालयों किया। अप्रस्तुत विदेशों का प्रस्तुत करने वाले विद्यालयों ने विदिकनों की एवं विदिकन वैदिकनों की जानकारी दें दूसरी मौजूदा समय में जब वह अपराध विद्यालयों को भी जानकारी देता था।

वैज्ञानिकों की अधिक महत्व से विकसित नई-नई फसलों की किसिमें व उनके द्वारा की गई स्पष्टरिशों का ही नज़ारा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
सन् कॉड़.....

दिनांक २८।१५।२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

मंथन।

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी: प्रो. समर सिंह

हिसार(मच कहुं यज)।

कृषि संबंधी किसी भी रिसर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतारी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुड़ा लकड़ होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्र में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधूध्र प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वर्ग शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आहान चौधरी चरण



फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

Haryana Agricultural University

विमार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के अंतर्कात्मक मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह व कृषि कृषि अधिकारियों की वक्तशीप को संबोधित महानिदेशक विजय सिंह द्वारा भी मोरु थे। कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. वैज्ञानिकों का वायित्व बनता है कि वे नई-नई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा किसानों की भूमि की उर्वर्ग शक्ति बनाए गए सिफारिशों का हो नीजा है।

जानकारी देने हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस वर्कशीप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करने हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू कराने को लेकर किया गया है।

किसानों को मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित किसानों को भूमि की उर्वर्ग शक्ति बनाए गए सिफारिशों का हो नीजा है।

आज फसलों का बढ़ा उत्पादन प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि देश की आजादी के समय की तुलना में आज फसलों का उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया है, यह सब वैज्ञानिकों की अथक मेहनत से विकसित हुई फसलों की किस्मों व उनके द्वारा किसानों को भूमि की उर्वर्ग शक्ति बनाए गए सिफारिशों का हो नीजा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्राकृति कॉर्ट.....

दिनांक २४/१८/२०२०.....पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी : प्रो. समर सिंह

हिसार : कृषि संबंधी किसी भी रिमर्च का फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। उत्पादन बढ़ाने के चक्र में प्रतिदिन ससायनों के अंधाधृष्ट प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। यह आद्वान चौधरी चरण मिह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वैज्ञानिकों में किया। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा मरकार के कृषि अधिकार्यों की वक्तशाप को संबोधित कर रहे थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक मास्क

दिनांक .२४.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....।-५

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मैकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें।

एचएयू के गृह विज्ञान कॉलेज में हुई क्रिएटिव मास्क मैकिंग

प्रतियोगिता, खुशबू ने बनाया सबसे क्रिएटिव मास्क



10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निणायिक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टफीकेट दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को मास्क के प्रति किया जागरूकः प्रो. किरण

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है तो ऐसे



में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तमत्रा रखता है। इसी को

ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छुपे हुनर को निखार सकें। वहीं इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब कैलरी, समर २०२१

दिनांक २८.१०.२०२० पृष्ठ संख्या ५, ५ कॉलम १-३, १-२

क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार, 27 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू मेहता ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में किया गया। संयोजक प्रो. किरण सिंह ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी

से बचाव हो सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकेंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आई.डी. पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मैरिट सर्टीफिकेट, जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टीफिकेट दिए जाएंगे।



प्रतियोगिता की विजेता प्रतिभागी।

मास्क बनाने में खुशबू प्रथम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता में गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

खबर कहु

दिनांक २४।१।२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

विद्यार्थियों ने मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश

- खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क
- एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार(सच कहु न्यूज)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागीयक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिकारी डॉ.

बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुँह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निणांयक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफिकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... फॉर्म 12/2

दिनांक 28.10.2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रबर्ती गुहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन परिवारिक संसाधन विभाग के तहत इंवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता

डॉ. विमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना व्यायरस

मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में



के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही

कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि व्यायरस का संक्रमण न फैल सके। कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेंकिंग प्रतियोगिता आयोजित

का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तमना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पांच बजे

दिनांक २४. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित,

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क

पांच बजे ब्लूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुँह



के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके। लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि

कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर हूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णयक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रोड़ व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नम्बर: छोटा
दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता में खुशबू, अंशिता व मनदीप रही विजेता

हिसार/27 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से अनिलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामोण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक मंसाधन विभाग के तहत इंवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कॉलेज अधिकारी डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामले में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुँह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व



सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समृद्धि में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके। कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने

की तम्मना रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग को ओर से अनिलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर दूरे हनर का निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकेंड की चीड़ियों और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नोलम रोज व डॉ. मंजु दहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की आंतम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मनदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। विभागाध्यक्ष प्रॉफेसर मंजु मेहता ने बताया कि सभी विजेताओं को बेरिट सॉर्टफिकेट व प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५.१०.२०२० पृष्ठ संख्या कॉलम.....

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर
व क्रिएटिव मास्क

दुड़े न्हूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गुहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।



लोग मास्क के प्रति हो जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

कार्किल की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरंभकार्यक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तममन रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूट हुनर को विद्यार सके और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

कॉलेज अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने यो सलाह दी गई है। साथ ही घर से बाहर निकलते तो चेहरे और मुँह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक

10 से 15 सेकंड की टीडियो भी मंगवाइ

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतियोगियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की टीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। विराटक मण्डल में शमिल डॉ. लीलम रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वारा प्रतियोगिता के दिजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विजान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी दिजेताओं को मैरिट सर्टफीकेट जारी किए गये।

दूसरी बाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

संच आ॒ भ॒ क॒ ग

दिनांक २४. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

मास्क बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश-कहा दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंटिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान प्रबन्धिता की ओर से ३०नलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मैकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बैठे मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलते तो चहरे और मुँह के बचाव



खुशबू

अंशिता

मंदीप

प्रतियोगिता के दौरान विजेताओं के फाइल फोटो।

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रोफेसर किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरमदायक व सुशक्तिमवाल मास्क पहनने की उम्मीद रखता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से ३०नलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छूपे हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना वायरस का संक्रमण न फैल सके।

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मास्क एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मैकिंग प्रतियोगिता आयोजित

10 से 15 सेकंड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतियोगियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीलम रंज व डॉ. मंजू वहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को भौतिक सर्टिफिकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक जो विभिन्न कटशप गुरुर व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक संख्या किया गया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिंह पत्र

दिनांक २४.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

हरियाणा कृषि विवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

मिटी पत्त्व न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिया चक्रवर्ती गृहविज्ञान मशीनिंग लोक संपर्क कार्यालय की ओर से अंगनवाहन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन परिवारिक संसाधन विभाग के तहत इंवेट मेनेजमेंट में कोशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू येहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकारी डॉ. विमला द्वांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिकारी डॉ. विमला द्वांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श दिया किया है। इसमें



खुशबू अंशिता मंदीप

हिसार। प्रतियोगिता के द्वारा ग्रामीणों द्वारा बनाए गए मास्क व विजेताओं के फोटो।

कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों में घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलने तो चेहरे और मुँह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामर्पाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समृद्धाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कॉलेज महामारी के चलते मास्क पहनना

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक: किरण सिंह

कार्यक्रम की संयोजना प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मूल्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कॉलेज महालक्षी से बचाव हो सके। कॉलेज काल ने जब मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टूडेंट, आकर्षक, बढ़िया, आमनदारी व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तमाज़ा रखता है। इसी की ध्यान में इसके हुए विभाग ने और से अंगनवाहन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाओं व लड़कियों आपने अदर धूपे हुए छात्रों विद्यार सके और लोगों ने मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सकें।

अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड की लीडिंग और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेज दी। विभाग की ई-मेल आईडी पर भेज दी। विभाग मण्डल में शामिल डॉ. नीलम योज व डॉ. मंजू द्वाहिया द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता

में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान मशीनिंग लोक संपर्क कार्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को मेरिट सर्टिफिकेट जबकि प्रतिभागियों को इंसर्टिफिकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक दो विभिन्न वर्षापुरुष व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक राशि किया गया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

ज्ञानीत समाप्ति

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २५. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

मारक बनाकर दिया कोरोना से बचाव का संदेश कहा दो गज की दूरी, मारक है जरूरी

* खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर व क्रिएटिव मारक * एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा क्रिएटिव मारक भेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

हिसार, 27 अक्टूबर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा के इंटर चक वर्षी प्राथमिक योग्यतावालय को ओर से डॉनलाइन प्रक्रिया से छिपाएं गए और जैव विद्यालय का अवश्यकता विद्या गया। प्रतियोगिता में प्राप्तियोगिता व शहरी लोकों की उन मिलाऊंचे व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस सभ्य कोरोना से बचाव के लिए मारक तैयार कर रखी है। प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्षीक संस्थान विभाग के तहत इसे मैनेजरों में कौशल विकास के प्रयोगशील द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजु मेहता ने बताया कि इस

कॉलेज अधिकारी डॉ. चिमला ढांडा ने कहा कि जागत में कोरोना वायरस के व्याघ्रों में तेजी आने के साथ ही केंद्र शर्करा ने प्रदान दारों किया है। युवाओं को लिए 19 वार प्रशार रोकने के लिए लोगों से भर पर बने मारक का ही जारी। करने की सलाह दी है। साथ ही घर में बाहर नीट और निकलने तो



मुह के हिसार : प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए मारक व बचाव के विजेताओं की फोटो।

लिए घर

में बने सुखा कवर का ही इलेमल को व सामाजिक दूरी बनाएं, रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में

कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के जहले मारक यानना आनंदवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।

लोग मारक के प्रति हीं जागरूक हों। प्रोफेसर विज्ञान सिंह

विद्येश्वर लोगों को मारक बनाने के प्रति जाहलक करता है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जहाँ मारक लगाना आनंदवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश,

आकर्षक, चौंडिया, बारामालायक व

मैनवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए, प्रतिभागियों ने अपने मारक बनाते हुए को 10 से 15 सेंटीमीटर की लंबाई और मारक की फौटो प्रियंका की है, जैसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक व अंदर की भौतिकीय में शामिल हो। नीलम रोज व डॉ. मनु राहिरा द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में इंटर्ना चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्षीय की छात्र खुशबू ने प्रथम रुद्धि, अंशुला ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय रुद्धि लायी। यारी विजेताओं को मैरिट सर्टिफिकेट जबकि प्रतिभागियों को इंस्टीफोकेट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक को विभिन्न वर्षों पर गुप व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक शेयर किया गया था।

(छाया : यज विजेता)

विजेता को और लोगों में

कार्यक्रम की सेमीनल प्रोफेसर विज्ञान ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य

मारक के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

10 से 15 सेंटीमीटर की चौंडियों वी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

हैलो हिसर

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .२७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

मारक बनाकर दिया संदेश-कहा दो गज की दूरी, मारक है जरूरी

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय की ओर से ऑनलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क मेकिंग



प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा लिया जो इस समय कोरोना से बचाव के लिए मास्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मास्क का ही उपयोग करने की

सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलें तो चेहरे और मुंह के बचाव के लिए घर में बने सुरक्षा कवर का ही इस्तेमाल करें व सामाजिक दूरी बनाएं रखें ताकि इससे बड़े पैमाने पर समुदाय में कोरोना संक्रमण से बचा जा सके। कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

सप्ताही

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....
कॉलम.....

खुशबू ने बनाया सबसे सुंदर मार्क

एचएयू के गृह विज्ञान
महाविद्यालय द्वारा
क्रिएटिव मार्क मेकिंग
प्रतियोगिता आयोजित

मार्क बनाकर दिया
कोरोना से बचाव का
संदेश-कहा दो गज की
दूरी, मार्क हैं जरुरी।

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान
महाविद्यालय की ओर से अनिलाइन
माध्यम से क्रिएटिव मार्क मेकिंग
प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
प्रतियोगिता में गोपीनाथ व शहरी द्वात्र की
उन महिलाओं व लड़कियों ने हिस्सा नियम
जो इस मध्य कोरोना से बचाव के लिए
मार्क तैयार कर रही हैं। प्रतियोगिता का
आयोजन पारिवारिक समापन विभाग के



खुशबू

अंशिता

मंदीप

तहत इवेंट मैनेजर्मेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा के कॉलेज अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के बाथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया है। इसमें कोविड-19

का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मार्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलने से बचाया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा के कॉलेज अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के बाथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया गया। इसमें कोविड-19

मार्क का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मार्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलने से बचाया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा के कॉलेज अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के बाथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया गया। इसमें कोविड-19

मार्क का प्रसार रोकने के लिए लोगों से घर पर बने मार्क का ही उपयोग करने की सलाह दी है। साथ ही घर से बाहर निकलने से बचाया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा के कॉलेज अधिकृता डॉ. विमला द्वांडा ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के बाथ ही केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया गया। इसमें कोविड-19

लोग मास्क के प्रति हों जागरूक : प्रो. किरण

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर किरण सिंह ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मास्क पहनने के प्रति जागरूक करना है ताकि कोरोना महामारी से बचाव हो सके। कोरोना काल में जड़ा मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आगमदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्भना रखता है। इसी को ज्यान में रखने हए विभाग की ओर से अंतलाइन माध्यम से क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि इसके माध्यम से महिलाएं व लड़कियां अपने अंदर छोड़ हुनर को निखार सकें और लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता भी फैल सके।

10 से 15 सेंकेड की वीडियो भी मंगवाई

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतियोगियों ने अपनी मार्क बनाते हुए की 10 से 15 सेंकेड की वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर भेजे थे। निर्णायक मण्डल में शामिल डॉ. नीताल रोज व डॉ. मंजू दहिया द्वाया प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में ईंटिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान, अंशिता ने द्वितीय व मंदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया। यादी विजेताओं को एरिट स्टार्टफोर्केट जबकि प्रतियोगियों को ई-स्टार्टफोर्केट दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए लिंक को विभिन्न क्लिक गृह युप व अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक